संज्ञा

मोहन पढ़ता है ।

गाय चरती है।

रोशन दूध पीता है।

गोपाल कक्षा में है।

कमला प्रार्थना करती है।

पहले वाक्य में मोहन एक बालक (व्यक्ति) का नाम है।

दूसरे वाक्य में गाय एक जाति विशेष का नाम है।

तीसरे वाक्य में दूध एक द्रव्य (वस्तु) का नाम है।

चौथे वाक्य में कक्षा एक समूह का नाम है।

पाँचवें वाक्य में प्रार्थना एक भाव विशेष का नाम है।

ये शब्द- मोहन, गाय, दूध, कक्षा, प्रार्थना कोई न कोई नाम बताते हैं। नाम को संज्ञा कहते हैं।

जो शब्द व्यक्ति, जाति, द्रव्य, समूह या भाव का बोध कराता है उसे संज्ञा कहते हैं।

संज्ञा के पाँच प्रकार होते हैं —

(i) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ii) जातिवाचक संज्ञा (iii) द्रव्यवाचक संज्ञा

(iv) समूहवाचक संज्ञा (v) भाववाचक संज्ञा

(i) व्यक्तिवाचक संज्ञा

केवल एक ही व्यक्ति, प्राणी या स्थान का नाम बताने वाले शब्द को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे —

व्यक्तियों के नाम - कमला, सुनीता, रहीम, जॉन

प्राणियों के नाम - हीरामन (तोता), चेतक (घोड़ा), ऐरावत (हाथी), कपिला (गाय)

गाँव / शहर/ देश के नाम - रामपुर, कटक, भारत, अमेरिका, इरान

नदी/पहाड़ / झील के नाम - महानदी, गंगा, हिमालय, गंधमार्दन, चिलिका

पुस्तकों के नाम - गीता, कुरान, बाइबिल, कामायनी, रामचरितमानस

(ii) जातिवाचक संज्ञा

प्राणी, पदार्थ, प्राकृतिक तत्व आदि का सर्वसामान्य (जातिगत) नाम बतानेवाले शब्द को जातिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे —

मनुष्य - पुरुष, स्त्री, लड़का, लड़की, बच्चा, शिशु

मनुष्येतर प्राणी - पशु, पक्षी, घोड़ा, मछली, साँप, कौआ, बाघ, मक्खी

वस्तु - घर,कुर्सी, दरवाजा, बाजा, कलम, पहाड़, नदी

पद - शिक्षक, डॉक्टर, नर्स, अध्यापक, इंजीनियर, मंत्री, कवि

(iii) द्रव्यवाचक संज्ञा

द्रव्य या पदार्थ का नाम बतानेवाले शब्द को द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। द्रव्यवाचक संज्ञा अगणनीय होती है इसे नापा या तौला जाता है; जैसे —

धातु - सोना, पीतल, ताँबा, चाँदी, लोहा, स्टील

द्रवपदार्थ - तेल, दूध, पानी, शहद, घी

द्रव्य- आटा, लकड़ी, घास, दाल, अन्न

(iv) समूहवाचक संज्ञा

प्राणियों या वस्तुओं के समूहवाचक शब्द को समूहवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे —

प्राणियों का समूह - दल, मण्डली, परिवार, सेना, भीड़, कक्षा

वस्तुओं का समूह - गुच्छा, झुण्ड, शृंखला, ढेर, पुंज, टोली

(v) भाववाचक संज्ञा

धर्म, गुण, अवस्था, क्रिया-व्यापार और क्रियार्थक संज्ञा का नाम बतानेवाले शब्द को भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

धर्म - गर्मी, शीतलता, मधुरता

गुण - धैर्य, क्रोध, बुद्धिमानी, ईमानदारी, सच्चाई, प्रेम

अवस्था - पीड़ा, नींद, दरिद्रता, उजाला, अंधकार, बचपन, बुढ़ापा

क्रियाव्यापार - प्रार्थना, भजन, दान, बहाव, दौड़, लिखावट, चाल

क्रियार्थकसंज्ञा - टहलना, आना, पढ़ना, रोना, देखना, हँसना

जब क्रिया संज्ञा के रूप में आती है तब उसे **क्रियार्थक संज्ञा** कहते हैं।

भाववाचक संज्ञाएँ दो प्रकार की होती हैं।

(i) मूल - प्रेम, घृणा, उत्साह, साहस, दया, क्षमा

(ii) यौगिक - ये पाँच प्रकार से बनती हैं

(क) संज्ञा से - लड़का - लड़कपन, साधु -साधुता
मुनि - मौन, मनुष्य - मनुष्यता, शिशु - शैशव

(ख) विशषण से - काला - कालिमा, चतुर - चतुराई, वीर - वीरत्व,
मीठा - मिठास, भला - भलाई

(ग) सर्वनाम से - मम - ममता / ममत्व, अहं - अहंकार,
अपना - अपनापन,
आप - आपा, निज - निजत्व

(घ) क्रिया से - मारना - मार, काटना - कटाई, लिखना - लिखावट

(ङ) अव्यय से - दूर - दूरी, निकट - निकटता

अभ्यास

१. संज्ञा किसे कहते हैं ? पाँच उदाहरण दीजिए।

२. नीचे 'क' स्तंभ में व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ हैं और 'ख' स्तंभ में संबंधित जातिवाचक संज्ञाएँ हैं। उनका मिलान कीजिए —

क	ख
हिमालय	घोड़ा
मोहन	पहाड़
तुलसीदास	बालिका
रीता	नदी
भारत	लड़का
चेतक	सन्त
उच्चैःश्रवा	देश
गंगा	घोड़ा

३. नीचे 'क' स्तंभ में द्रव्यवाचक संज्ञाएँ हैं और 'ख' स्तंभ में संबंधित जातिवाचक संज्ञाएँ हैं। उनका मिलान कीजिए —

क	ख
लकड़ी	नथ
सोना	चूड़ी
चाँदी	कुल्हाड़ी
काँच	मेज
लोहा	पायल

४. पाँच भाववाचक संज्ञाओं के नाम लिखिए। उनसे संबंधित जातिवाचक संज्ञाओं के नाम भी लिखिए।

५. नीचे दिये गये शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए —

बच्चा, मनुष्य, काटना, साधु, निकट

६. नीचे दिये गये शब्दों में से व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, द्रव्यवाचक, समूहवाचक तथा भाववाचक संज्ञाओं को छाँटकर अलग-अलग कीजिए–

राम, बचपन, टोली, सीता, लड़कपन, पहाड़, विरूपा, दूध, विद्यालय, भक्तमधुविद्यापीठ, कर्णफूल, अहंकार, गुच्छा, शैशव, भीड़, घास, कवि

७. निम्नलिखित शब्द-सूची को देखिए और संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए–

रमेश, सुग्रीव, धीरे, कुर्सी, पढ़ाई, कोयल, सुनहरा, चाँदी, नदी, अमेरिका, मीठा, कवित्व, पाठ, सुन्दर, गेहूँ, चंद्रमा, हवाई, लाल, कालिमा, पहाड़, पशु, अत्याचार, ईमानदार, भलाई, जूते, पिटाई, लोभी, तब, लोग, सभ्यता, अनार्य, नेत्र ।

८. अंदर आना मना है ।

टहलना सेहत के लिए अच्छा है ।

तुम्हारा रोना मुझे अच्छा नहीं लगता ।

ऊपर के वाक्यों में क्रिया का मूल रूप - (क्रिया + ना)

आना, टहलना, रोना संज्ञा की तरह प्रयुक्त हुए हैं ।

हम जानते हैं कि ये क्रियार्थक संज्ञाएँ हैं । इन्हें भाववाचक संज्ञा के अंतर्गत रखा जाता है ।

आप क्रियार्थक संज्ञाओं का प्रयोग करके पाँच वाक्य बनाइए ।

९. आप निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए –

लड़का -	मनुष्य -	सुन्दर -
लड़ना -	बुनना-	गुरु -
निकट -	उदार -	अच्छा -
माता -	काला -	भारत -
भला -	मधुर -	लिखना -
विशेष -	कवि -	गर्म -
परेशान -	सच्चा -	शिशु -

१०. निम्नलिखित गद्यांश में आये व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, द्रव्यवाचक, समूहवाचक और भाववाचक संज्ञाओं को छाँटकर अलग-अलग लिखिए–

गाँव के बाहर एक अमराई थी। उसमें एक कौआ और एक हिरन रहते थे। दोनों में बड़ी दोस्ती थी। दोनों सुबह जंगल में जाते थे। वहाँ पशुओं के दल और पक्षियों के झुण्ड देखते थे। उन्हें घूमना अच्छा लगता था। वे पहाड़ की चढ़ाई में चढ़ते थे। हरियाली देख कर खेलते भी थे। उनको खाने को फल मिल जाते थे। आम, अमरूद, बेर जैसे फल। लेकिन उन दोनों को फल अच्छे नहीं लगते थे। कौआ मांस के टुकड़े या मरी जोंक पकड़ता था। हिरन हरी हरी घास खाता था। दोनों की मित्रता बढ़ती जाती थी।

११. निम्नलिखित व्यक्ति, द्रव्य या जातिवाचक संज्ञाओं को उनसे संबंधित जातिवाचक संज्ञाओं से जोड़िए –

राम	धातु
हिमालय	कवि
घोड़ा	स्त्री

कोयल	पशु
सीता	पहाड़
कालिदास	नदी
सोना	देव
महानदी	पक्षी
इन्द्र	आदमी
रामायण	पुस्तक